

वार्ता-साहित्य

(एक वृहत् अध्ययन)

लेखक

डा० हरिहरनाथ टण्डन



बल्लभ रिसर्च इंस्टीट्यूट, जतीपुरा (मथुरा)
के

तत्वावधान में

भारत प्रकाशन मन्दिर,

अलीगढ़ द्वारा प्रकाशित ।

INDIA OFFICE

LIBRARY

प्रकाशक
भारत प्रकाशन मंदिर,
अलीगढ़ ।

मूल्य १५)

मुद्रक
आदर्श प्रेस
अलीगढ़ ।

वचनामृत-६

विचारै है॥ ४४ ॥ अथ संवत् १६६३ वैशाख शुक्ल
 द्विदिने दिवसै न कल्याण न राय न धन धरु पन
 भोग न उछु च यथौ नै दिवसै श्रीपां न
 जीप ध्याया हुता॥ त्वहा पोतानो उछु
 नद कल्याण ध्यागल प्रसन्न कह्यो॥ त्वहा
 त्मभाव वृण पकारना छै॥ जो जीव धर्म म

सं० १७६६ वाली वचनामृत की पोथी में वि० सं० १६६३ वैशाख शुक्ल
 छठ का प्रसंग इसमें मूल लेखक की साक्षात् उपस्थिति की सूचना
 मिलती है। अतः मूल लेखक की पोथी की यह सं० १७६६
 वाली प्रतिलिपि पोथी है।

वचनामृत-७

वधाई करि कै गाइ॥ वरनौं शुभ धनो कुल
 गाम्भीर्य नंददासजी शुभ काव्य वारे सो तुल
 सोदास के छोट भाई॥ तुलसीदास वहु भा
 यो॥ सो नंददासजी जव श्रीगुरु सांडे जी के स
 वक भयो॥ तब तुलसीदास नैं कह्यो॥ भाई
 तनै विभीचार कीयो॥ तब नंददासजी नैं
 कह्यो॥ विभीचार नो कीयो॥ परंतु सुख बहु
 न पायो॥ २३ ॥ अथ कवि सैराज रास भूष

नन्ददासजी के तुलसीदास के भाई होने का उल्लेख है।

नाथ जु ने मी गित बराय जु ने आये दीनी तब आ जु ने नेत्र सो ल गाये वें प्रेरि दानी तब राय जु ने आये
 मेधरी पा छें नो जन वों प धारे श्री जु तो नो जन वरि वें पोटे पाछे श्री राय जु तो गोपाल जु वे घर प धारे
 तब पोथी गोपाल जु वों दीनी तब पोथी बीची बीची वें गदगद वैं ठ मये॥ पाछे नारायण दास ले स्वयं
 वों बुलायो तब पोथी लिखाई सो उन दोय प्रति बीनी एव उन वों दीनी दूसरी लेष वृपा सर हा॥
 सो गोपाल जु राय जु ने जीनि नाही॥ सो समेह नीवे आगे ब्रह्मे सो वा वें ये व्रयो रस्मे ही रहै सो वाने
 आनि वे ब्रह्मा तब उन व्रह्मो रह जाये देहू॥ तब आये वे ब्रह्मा तब उन लीखि दीनी॥ एसे प्रति
 पीयसा त नदी॥ तब रह प्रति धन जा जाई यो परा वेंति न देखी तब आ जु वे आगे ब्रह्मा तब ही॥ तब आ
 जु यों वे प्रो ज वी यो॥ वे सब बुलाये॥ परस्पर पूछे॥ पाछे जीनी जो राय जु वे वी प्रहे तब व्रह्मो जो गो
 पाल वरु प्र गट नरी जगवत दीध्यामीनी॥ वीर मरु॥ सेठ पुरु सोत मरु स्यो वे रा गोपाल दा
 स ले श्री मरु सो ह न जु वी सेवा जती जाति सो ब्रर ते॥ गोपाल दास आपनौ तन ब्रीर्तन ब्रर ते॥

॥ श्री श्री लयनमः ॥ एक समे गोवर्धनदास परम आगय तो उ तम सो उ जे न मे अ ल म र जे ध र आ रे
 सो श्री लयन मे आ गो न लो क्री नो ॥ नो जन द्रा यो ॥ नो जन वरि बेटे त व म र जे नो ब्र ह्मो ब्र ह्म सु ना यो ॥
 रा त्रि दी व स वै स व न द्री वा ती करे सो ब्र र ते ब्र र ते ति न दी व स ति न रा त्री वा ति त न शी ॥ आ धे दी व स
 दे ह व्री सु धि न दी त व न द्री ए नी ने उ न ब्रों र्मो न ब्र र वा यो आ हा पू सा द ज वा यो सो आ ग पा मी जि वें
 अप ने दे स ब्रों च ले ॥ त व श्री लयन मे आ वा ते लि वि सो दि न प्र ति शी न ब्रों पा ठ करे ॥ ओ र ब्रों उ
 न ग व दी वै स व आ वे ता सो ब्र ह्म ॥ यो ब्र र ते न ट मु को स री र थ को त व गो विं द न ट वें सो ब्र ह्मो
 आ वा ए पो थो अ रु नो ध र वी सो न स व भ्रा गो कु ल प ठ डी यो ॥ त ए उ प री त गो विं द न ट आ गो यु
 ल ना थ जु व्रे से व द्र ॥ सो न स व भ्रा गो कु ल आ ए ॥ त व द्रा लयन मे श्री गो ब्र ल ना थ जु दी स्वा ये ॥ त व
 श्री गु सी री जु प्र सी न न ए न ट जु ने श्री जु व्रे म न व्री वृ त जी नि ॥ सो प्र थ म नी उ नै वे द न आ व ल न ने
 दी यो ॥ श्री गु सी री जु व्रे आ से ज्ञा न्यो ॥ सो गो विं द न ट ने बो हो त ने ट प ठ डी नी ति नी ति व्रे म नो
 र व द्रा ए ॥ सो ए से ब्र र ते बो हो त द र्म वी ते ॥ त व ने अ व ल घ टो ॥ त व बी चार वी यो पो थो श्री
 गु सी री जु ने श्री आ ग व त सु बो ध नी टी व्रा टी प नी स व पो थो अ रु ने ट ये ल व ज व च ले त व उ न ब्रों
 सो पी व ह्म आ व ल न व्रे आ गो ध री ओ अ रु ब्र ह्म ओ आ प व्री व लु बे रा पा वे ॥ वे वै स व च ले सो श्री
 गो ब्र ल आ यो ॥ श्री गो ब्र ल ना थ जु व्रे आ गो र धि ने ट ओ र पो थो ॥ प त्र मा हा प्र नु ने बी च्यो त
 व ह्म दो न रि आ यो ॥ अ रु ब्र ह्म य ह्म ने वे द न धि त नी ब्र ह्म त व पो थो श्री ह स्त सो बो ली ॥ त व बी च
 छो टी ओ प री नी ब्र सी ॥ त व बी ची ॥ बी चि व्रे ओ खि सो न ग डी अ रु ह्म दो न रि आ यो ॥ सो नित
 गी ध पा ठ कर ते ॥ ता व्रे पा छे ओ र व्रों पा ठ कर ते ॥ ए व वार्त्ता अ ल वा दो डी ॥ बी चि व्रे पे टी मे ध रि
 वे ता रो मारि व्रे नो जन ब्रों प धा रें ॥ यो ब्र र ते ब हु त व र स वी ते ॥ त व ने न ब्रों प्र नार म यो त व आ रा
 य जु मी ब्र ह्म वे पो थो पे टी मे हे सो ला ओ ॥ त व श्री रा य जु ने पे टी बो लि व्रे पो थो श्री ह स्त मे दी नी सो
 ली नी ले व रि ने न सो ल ग डी फेरि रा य जु ब्रों दी नी रा य जु ने पे टी मे ध री सो नित्य यो व्र रें सो ए व द
 व स रा य जु ने दे खी त व नी ब्री ला गी ॥ त व डी न व्रे प्री अ भ्रा गो पाल जु ह्म ते ॥ सो आ त श्री रा य जु ने
 ब्र ह्म ॥